सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 259 पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार 28 अक्टूबर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।

-बीकेएस आयंगर

शेफाली वर्मा लेंगी प्रतिका... 7 | पंजाब के तरनतारन में उपचुनाव... 3 | भाजपा का एजेंडा समाज में नफरत... 2

योगी की सभाओं पर केशव की कैंची

» यूपी की राजनीति की परछाइयों से एनडीए गठबंधन में बेचैनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार की चुनावी जमीन पर इस बार कुछ अलग पक रहा है। मंच वही हैं, झंडे भी वहीं है और नारे भी वही लेकिन सियासी तालियां कही गायब सी हो गयी हैं। इसकी वजह भी दिलचस्प है भाजपा के सबसे चमकदार चेहरों में गिने जाने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभाएं अचानक ठंडी पड़ गई हैं।

स्टार प्रचारक होने के बावजूद भी बिहार में उनकी सभाएं या तो टाल दी गयी हैं या फिर सीमित कर दी गई हैं। और अब सवाल उठने लगा है कि यह रणनीति है या राजनीतिक सर्जरी? क्योंकि यह सवाल कोई आम सवाल नहीं है और सूत्रों की माने तो इस पूरे घटनाक्रम में केशव प्रसाद मौर्या का नाम सामने आ रहा है। क्योंकि केशव बिहार विधानसभा चुनाव में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बताया तो यहां तक जा रहा है कि दिल्ली मीटिंग के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपना यह दर्द आलाकमान के साथ भी शेयर किया है।

जोश-सन्नाटा और सवाल

बीजेपी के अंदर सत्ता और संगठन की जो खींचतान है उसमें केशव प्रसाद मौर्य लंबे वक्त से अपने को अनदेखा चेहरा मानते हैं। हाल ही में उन्होंने कई बार इशारों में कहा कि पार्टी में सबको बराबरी का हक मिलना चाहिए। अगर सूत्रों पर भरोसा करें तो योगी के 12 तय कार्यक्रमों में से सिर्फ दो कार्यक्रम अब तक हुए हैं वह भी सीमावर्ती इलाकों में। बाकी कार्यक्रम या तो लॉजिस्टिक कारणों से टाल दिए गए या फिर समीकरणों को देखते हुए स्थगित कर दिए गए। यह वही शब्दावली है जो आम तौर पर तब इस्तेमाल होती है जब किसी को शालीनता से साइडलाइन करना हो।

बिहार के मैदान में भाजपा की अंदरूनी खींचतान आलाकमान हलकान

दोस्ती की परत में छिपा द्वंद्व

केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्यनाथ की जोड़ी कभी राम/लक्ष्मण की जोड़ी मानी जाती थी। लेकिन 2017 के बाद यह संतुलन धीरे-धीरे प्रतिस्पर्धा में बदल गया। केशव प्रसाद मौर्य खुद को भाजपा के ओबीसी चेहरा मानते हैं जबकि योगी हिंदुत्व के फ्रंटलाइन कमांडर। दोनों की छवि अलग-अलग वोट बैंक पर टिकी है और यही वजह है कि जब भी चुनावी मैदान में एक आगे बढ़ता है दूसरा अपने तरीके से बैलेंस करने लगता है। इस बार बिहार के मंच पर यह बैलेंस और साफ दिखाई दे रहा हैं, जहां योगी के नाम की घोषणा तो हुई लेकिन लेकिन मंच नहीं सज सका। जानकारी के मुताबिक उनकी अबतक बिहार में दो जनसभाएं हुई हैं।

बिहार में योगी की रैलियों पर लगाम

पार्टी सूत्रों से खबर है कि एनडीए के सहयोगी दल जदयू ने आपत्ति जताई है कि योगी आदित्यनाथ की भाषण शैली में हिंदू-मुस्लिम रंग ज्यादा होता है। उनका कहना है कि बिहार की सामाजिक बनावट में यह फॉर्मूला उल्टा असर कर सकता है। जदयू को डर है कि अगर योगी की सभाएं ज्यादा हुयी तो मुस्लिम वोट जो नाराज कांग्रेस-राजद से निकलकर एनडीए की ओर झुक सकते हैं वह भी भाग जाएंगे। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह आपत्ति जदयू की है या जदयू के नाम पर किसी और ने उठवाई? भाजपा के अंदरखाने से जो आवाजें आ रही हैं वह कम दिलचस्प नहीं हैं। कुछ लोग खुलकर कह रहे हैं कि जदयू तो बहाना है असली खेल यूपी के भीतर से खेला गया है।

हिंदुत्व पॉलिटिक्स और बिहार की सामाजिक गणित

बिहार में जाति ही सबसे बड़ा धर्म है। यहां हिंदू-मुस्लिम की जगह कुर्मी-यादव-मुस्लिम-दलित का समीकरण आदि चलता है। योगी का भाषण उत्तर प्रदेश में तो भीड़ खींचता है पर बिहार में वही बात वोट खिसका सकती है। यही वजह बताई जा रही है कि जदयू ने ऐतराज जताया लेकिन सियासी जानकार कहते हैं यह ऐतराज तो बस बहाना है असली डर पार्टी के अंदर है। दरअसल योगी जिस तरह हर मंच पर अपने राजनीतिक कद को प्रधानमंत्री मोदी के बाद दूसरा बताने की कोशिश करते हैं उससे कई पुराने खिलाड़ी बेचैन हैं। उनमें मौर्य, राजनाथ, गडकरी जैसे नाम अक्सर बंद दरवाजों में चर्चाओं का हिस्सा रहते हैं।

बिहार चुनाव गुटबाजी का शिकार

बिहार में पार्टी की स्थानीय यूनिट पहले ही कमजोर है। जदयू का वोट बैंक सीमित है और लोजपा (पासवान) के अंदर भी बगावत चल रही है। ऐसे में अगर दिल्ली और लखनऊ की रस्साकशी जारी रही तो इसका सीधा फायदा राजद और कांग्रेस गठबंधन को मिलेगा। भाजपा के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता ऑफ रिकॉर्ड कह चुके हैं कि हम लोग बिहार में विपक्ष नहीं अपने ही अंदरूनी विपक्ष से लड़ रहे हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की आवाज भी अब धीरे-धीरे स्लो हो रही है। नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह जैसी हस्तियां सार्वजनिक मंचों से न के बराबर दिखती हैं। कहा जाता है कि मोदी-शाह की जोड़ी ने पार्टी को एक सेंट्रलाइज्ड मशीन में बदल दिया है जहां राज्य के नेता सिर्फ ऑपरेटर की भूमिका में होते हैं। पर योगी आदित्यनाथ इस मशीन के अंदर एक सेल्फ ब्रांड बन चुके हैं, यही बात केंद्रीय नेतृत्व को खटकती भी ज्यादा है। इसलिए, बिहार में उनके प्रचार को सीमित करना दरअसल एक पॉलिटिकल मैसेज है कि पार्टी में सबसे बड़ा ब्रांड सिर्फ मोदी है कोई और नहीं।

अंदरूनी खेमेबंदी साथ या संघर्ष?

भाजपा की राजनीतिक रसोई में कई बर्तन एक साथ खदबदा रहे हैं। दिल्ली में मोदी-शाह की जोड़ी, लखनऊ में योगी-मौर्य की जोड़ी, और नागपुर में गडकरी-राजनाथ जैसे सीनियर चेहरे यह सब अलग-अलग तापमान पर पक रहे हैं। भले ही बाहर से पार्टी एकजुट दिखाने की कोशिश करे लेकिन अंदर की हलचल अब कोई रहस्य नहीं रही। राजनीतिक विशेषज्ञ के मुताबिक भाजपा अब वैचारिक परिवार से ज्यादा एक सत्ता-केंद्रित क्लब बन चुकी है जहां हर कोई अपनी जगह बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।

भाजपा का एजेंडा समाज में नफरत फैलाकर सद्भाव खत्म करना : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- बीते नौ वर्षों में खत्म हुआ सामाजिक सद्भाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर फिर एक बार तीखा प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा का एजेंडा समाज में नफरत फैलाना और सामाजिक सद्भाव को खत्म करना है। भाजपा सरकार में तमाम तरह के अवैध कारोबार हो रहे हैं। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। भाजपा भूमाफिया पार्टी है।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर सोमवार को विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अखिलेश यादव ने कहा कि जनता समाजवादी पार्टी पर पूरा भरोसा कर रही है। सपा सरकार में किसानों को सुविधाएं दी गईं थीं। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ अनर्गल आरोप न लगाएं।

अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। किसान, नौजवान और व्यापारी सभी परेशान हैं। भाजपा सरकार ने नौ साल की सरकार में समाज में दूरी पैदा करने के अलावा कोई काम नहीं किया है। प्रदेश में सपा सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी।

बीजेपी के पूर्व विधायक माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे : सैय्यद खातून

उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर में हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह का विवादित बयान जिसमें उन्होंने हिन्दू लड़कों से मुस्लिम लड़कियों को उठाने की अपील की थी, उस पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इस मामले पर डुमरियागंज की सपा विधायक सैय्यद खातून ने पूर्व विधायक पर कार्रवाई की मांग की है, कहा कि पूर्व विधायक के बयान से क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के पूर्व विधायक खुलेआम धमका रहे हैं। यही नहीं उन्होंने इस मामले में शिकायत के बावजूद भी पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई न करने पर भी ऐतराज जताया है। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने 16 अक्टूबर को धनखरपुर गांव में जनसभा में ये बयान दिया था जो अब वायरल है। सपा विधायक ने कहा कि मुसलमान इस देश के बाशिंदे हैं, आजादी में हमने भी कुर्बानियां दी हैं। अगर डुमरियागंज का माहौल बिगड़ा तो जिम्मेदार शासन-प्रशासन होगा। डीएम और एसपी से शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई है. अभी तक पूर्व विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है और न ही इस मामले में अभी तक बीजेपी की तरफ से कोई प्रतिक्रि या आई है।

मुस्लिम लड़कियों पर राघवेन्द्र प्रताप सिंह का विवादित बयान

16 अक्टूबर को धनखरपुर गांव में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने मुस्लिम लड़कियों को लेकर बयान दिया था,

जिसमें 10 मुस्लिम लड़कियों को हिंदू लड़की बनाने और नौकरी देने की कही थी। अब इस मामले में पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जब मैं डुमरियागंज आया था, तो इसे मिनी पाकिस्तान कहा जाता था। इसी तरीके से धनखरपुर गांव में एक सप्ताह में दो-दो हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराया गया। मैं वहां गया और मैंने यह कहा कि दो हिंदू लड़कियों के बदले 10 मुस्लिम लड़कियों को हिंदू बनाने का काम किया जाएगा।

बीजेपी नेता का बयान घृणित और संकीर्ण : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह के दस मुस्लिम लड़कियां लाने के विवादित बयान पर सियासत तेज हो गई हैं। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने इस पर तीखी प्रतिक्रि या दी और इसे घृणित और संकीर्ण बयान बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

बसपा सुप्रीमो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- 'मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ, के ताज़ा संकीर्ण व घृणित बयान के साथ-साथ यूपी व उत्तराखण्ड सहित अन्य और राज्यों में भी धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और ना जाने क्या-क्या नफरती नाम देकर तथा उसके विरुद्ध क़ानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक व जातिवादी द्वेष, वैमनस्य, अशान्ति, अराजकता एवं लोगों के जान-माल व मजहब पर खतरा बन जाने का शरारती तत्वों का यह विषैला हिंसात्मक खेल अति-निन्दनीय। ऐसे आपराधिक, अराजक व असामाजिक तत्व सभ्य व संवैधानिक सरकार के लिये खुली चुनौती और खतरा हैं, इन्हें शह व संरक्षण देने के बजाय सरकारें राज्य की करोड़ों जनता के हित व कल्याण को ध्यान में रखते हुए कानून का राज स्थापित करना सुनिश्चित करने के लिये ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें, यही व्यापक जन व देशहित में।

बसपा व ओवैसी की पार्टी बिहार में मिलकर लड़ेंगे

» मुस्लिम वोटों को लेकर बने नए समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार चुनाव में बहुजन समाज पार्टी व ओवैसी की पार्टी में साझेदारी हो गई है। रामगढ़ के प्रत्याशी पिंटू यादव को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन द्वारा बिना शर्त समर्थन देने की बात की गई है।

बता दें कि एआईएमआईएम ने वर्ष 2020 के बिहार चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन किया था, जिसके बाद पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार बसपा के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले के बावजूद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने बिना शर्त समर्थन देकर भविष्य की संभावनाओं को जिंदा रखा है। सियासी जानकारों की मानें तो बिहार के साथ यूपी में भी मुस्लिम वोट बैंक को लेकर मुख्य विपक्षी दलों के बीच जोर-आजमाइश रहती है। खासकर यूपी में बसपा को मुस्लिम वोट बैंक के बिना जीत हासिल कर पाना मुश्किल है। इसी वजह से एआईएमआईएम बसपा के लिए मुफीद बनती जा रही है। हालांकि मायावती ने बीते दिनों घोषणा की थी कि वर्ष 2027 में होने वाला यूपी का विधानसभा चुनाव बसपा अकेले लड़ेगी। लेकिन पिछले चुनावों पर गौर करें तो बसपा से मुस्लिम वोट बैंक छिटकता जा रहा है। पार्टी द्वारा मुस्लिम नेताओं को अहम पदों की जिम्मेदारी देना भी असर नहीं दिखा सका। यही वजह रही कि बीते लोकसभा चुनाव में बसपा का वोट बैंक घटकर आधा रह गया था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन कर जिन 10 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहां 2024 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ गया। इससे साफ हो गया कि मुस्लिमों ने बसपा को वोट नहीं दिया था। बता दें कि वर्ष 2024 के चुनाव में बसपा ने 21 मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। इन हालात में बसपा को अपना वजूद बरकरार रखने के लिए एआईएमआईएम जैसे दल की जरूरत पड़ सकती है।

'मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन' बैठक कल

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती बुधवार को लखनऊ में पार्टी के 'मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन' की एक विशेष मंडल स्तरीय बैठक को संबोधित करेंगी। यह मुस्लिम समाज के बीच पार्टी की पहुंच को मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा है। बसपा के उत्तर प्रदेश कार्यालय से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, यह बैठक 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे 12- मॉल एवेन्यू में पार्टी के राज्य मुख्यालय में होगी। यह एक विशेष मंडल स्तरीय बैठक होगी जो बसपा में मुस्लिम समाज को और अधिक जोड़ने के प्रयासों के तहत होगी। पार्टी ने कहा कि मायावती इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। बयान में आगे कहा गया है कि बसपा अध्यक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में जारी किए गए निर्देशों के बारे में भी बात करेंगी। बसपा ने इस महीने की शुरुआत में 9 अक्टूबर को पार्टी के संस्थापक दलित नेता कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में एक जनसभा की थी।

अपने दम पर राजनीति कर रहा हूं : तेजप्रताप यादव

» बोले- मेरे ऊपर लालू प्रसाद यादव की छत्रछाया नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने अपने बयान से एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। तेजप्रताप ने साफ कहा कि अब वे अपने पिता लालू प्रसाद यादव की छत्रछाया में नहीं हैं और वे अपने दम पर राजनीति करेंगे। तेजप्रताप यादव ने कहा, लालू जी जननायक थे, लेकिन आज वे राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को मार्गदर्शन देते हैं।

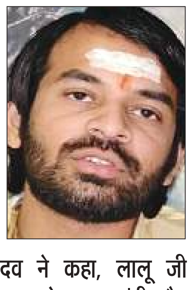

मुझे वह मार्गदर्शन नहीं मिलता। मेरा मार्गदर्शन बिहार के गरीबों और युवाओं से आता है। मैं अपने बल पर काम करूंगा और परिणाम दिखाऊंगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग खुद को जननायक कहते हैं, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। तेजप्रताप ने कहा, कर्पूरी ठाकुर, राम मनोहर लोहिया, डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी ही सच्चे जननायक हैं। उन्होंने समाज और देश के लिए काम किया, इसलिए उन्हें जननायक कहा जाता है। तेजप्रताप का यह बयान स्पष्ट रूप से उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना माना जा रहा है। हाल के महीनों में तेजप्रताप यादव लगातार यह जताते आए हैं कि वे पारंपरिक पारिवारिक राजनीति से अलग अपनी राह बनाना चाहते हैं। तेजप्रताप अपने नए संगठन जनशक्ति जनता दल के माध्यम से युवाओं और हाशिये पर खड़े वर्गों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद को जनता का नेता के रूप में पेश करना चाहते हैं, जबकि परिवार की राजनीतिक विरासत से दूरी बना रहे हैं।बयान के बाद से बिहार के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। आरजेडी खेमे से हालांकि इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन अंदरखाने में यह माना जा रहा है कि तेजप्रताप का यह रुख यादव परिवार में बढ़ती राजनीतिक खींचतान को और उजागर करता है। तेजप्रताप यादव के इस बयान से यह साफ है कि वे अब अपने पिता और भाई से अलग एक स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाने के इरादे से मैदान में उतर चुके हैं।

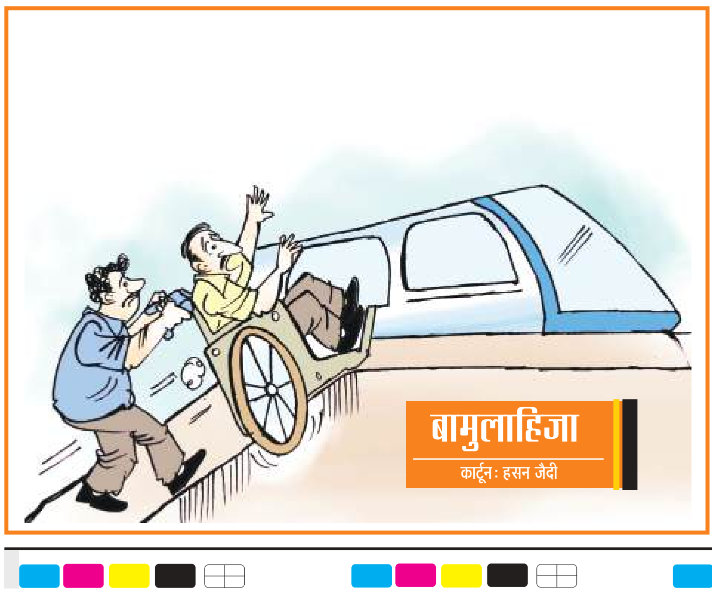

इलाहाबाद हाईकोर्ट से समाजवादी पार्टी को बड़ी राहत

» मुरादाबाद का सपा दफ्तर नहीं होगा खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को लेकर चल रहे विवाद मामले में मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जिसमें जस्टिस जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस सत्यवीर सिंह की डिवीजन बेंच ने जिला प्रशासन के कार्यालय खाली कराने के आदेश को रद्द कर दिया और यथास्थिति बनाए रखने का का आदेश जारी, इस फैसले से सपा को बड़ी राहत मिली है।

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में भी यथास्थिति का आदेश दिया था और अब कार्रवाई पर पूरी तरह रोक लगा दी है। कोर्ट ने प्रशासन के दावों को खारिज कर दिया। शहर के सिविल लाइन्स स्थित चक्कर की मिलक में समाजवादी पार्टी का जिला कार्यालय 1994 से चल रहा है। यह भवन मुलायम सिंह यादव को आवंटित किया गया था। इसका किराया पहले 250 रुपए महीने और फिर ब ?कर 500 रुपए हो गया था, जो नियमित जमा हो रहा है। अगस्त में अचानक जिला प्रशासन आवंटन रद्द करते हुए दो सप्ताह में कार्यालय खाली करने का नोटिस दिया, जिसमें अवैध कब्जे का दावा किया गया। नगर निगम की सम्पत्ति के रूप में इसे कब्जे में लेने की तैयारी थी। समाजवादी पार्टी ने इस राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित कार्रवाई बताया और इसका विरोध किया था। लेकिन प्रशासन के हठी रवैये के बाद सपा ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। समाजवादी पार्टी ने अपनी याचिका में प्रशासन के खिलाफ हाईकोर्ट में कहा कि कार्यालय में कोई अवैध कब्जा नहीं है। लगातार जिला पार्टी कार्यालय के रूप में उपयोग हो रहा है। यहां जनता की समस्याएं सुनीं जातीं हैं। सपा और जिला प्रशासन के बीच विवाद की सुनवाई जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस सत्यवीर सिंह की डिवीजन बेंच में हुई। सपा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शशि नंदन, विनीत विक्रम और कुणाल शाह ने पक्ष रखा। दलील दी कि 1994 के आवंटन के बाद कोई नामांतरण या रद्दीकरण की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद प्रशासन के आदेश को रद्द कर दिया और यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। इससे पहले 9 अक्टूबर की सुनवाई में कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए यथास्थिति के इर्देश दिए थे और 28 अक्टूबर की तारीख तय की गयी थी।

पंजाब के तरनतारन में उपचुनाव सभी दल जमाना चाहते हैं पांव

- कांग्रेस व भाजपा ने कसी कमर
- आप ताकत दिखाने में जुटी
- शिअद उम्मीदवार सुखविंदर कौर रंधावा की बेटी और दामाद पर केस
- सुखबीर ने दिया धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। तरनतारन विधानसभा उपचुनाव के लिए पंजाब में सियासी दलों ने कमर कसना प्रारंभ कर दिया है। आप जहां अपनी ताकत को बरकार रखना चाहती है। वहीं अपने विपक्षियों पर नके ल कसे रखना चाहती है। इसी को लेकर राजनीति भी होने लगी है।

तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की उम्मीदवार बीबी सुखविंदर कौर रंधावा की बेटी कंचनप्रीत कौर और दामाद अमृतपाल सिंह के साथ-साथ गग्गोबुआ गांव के सरपंच परमजीत सिंह पम्मा, पूरन सिंह झबाल, अजमेर सिंह काका छापा और सोनू दोदे के अलावा 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ शुक्रवार रात तरनतारन सिटी पुलिस स्टेशन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं सरपंच मुनीश कुमार मोनू चीमा ने जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखित शिकायत दी थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस का फोकस डोर-टू-डोर कैंपेन

पंजाब कांग्रेस के आला नेताओं ने वीरवार को तरनतारन में एक अहम बैठक की। सभी नेताओं को विभिन्न बूथों की जितवाने की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। कांग्रेस का मुख्य फोकस डोर-टू-डोर कैंपेन पर रहेगा। इसकी भी रूपरेखा तैयार कर ली है।

अकाली दल के अध्यक्ष ने किया विरोध

दूसरी ओर, अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने इस कार्रवाई का विरोध किया और झबाल चौक पर धरना दिया और इसे पंजाब सरकार की एक बड़ी भूल बताया। उन्होंने कहा कि इस सीट से अकाली दल की जीत देखकर आप सरकार डर गई है, इसलिए उसने इस तरह की लापरवाही बरती है।

सुखबीर ने संभाली प्रचार की कमान

शिरोमणि अकाली दल की जीत के लिए चुनाव तक सुखबीर बादल तरनतारन में ही रहेंगे। प्रचार की कमान उन्होंने खुद संभाली है जबकि स्टार प्रचारकों की सूची भी तैयार की गई है। यहां दो बार शिअद जीत चुकी है। इस बार उन्होंने धर्मी फौजी परिवार से जुड़ा प्रत्याशी मैदान में उतारा है, क्योंकि यह एक पंथक सीट है। उधर, अकाली दल (वारिस पंजाब दे) पंथक एकता, किसानों के मसलों व नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ मुद्दों को लेकर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं।

भाजपा ने मजबूत किए बूथ व शक्ति केंद्र

भाजपा के प्रदेश महासचिव अनिल सरीन ने बताया कि भाजपा ने हलके में सभी बूथों व शक्ति केंद्रों को मजबूत कर दिया है। इन्हें जितवाने के लिए अब भाजपा नेताओं व बूथ प्रभारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। मुद्दों की फेहरिस्त तैयार कर ली गई है। भाजपाई केंद्र की नीतियों व प्रदेश भाजपा के विजन के साथ मतदाताओं के बीच जाएंगे। मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क पर ज्यादा फोकस रहेगा और इस दौरान उन्हें जागरूक किया जाएगा। दरअसल, भाजपा के लिए इस सीट पर खोने के लिए कुछ नहीं है। इसलिए भाजपा भी यहां अपना प्रदर्शन बेहतर करना चाहती है।

आप के बड़े नेता पहुंचेंगे प्रचार करने

सभी दलों के दिग्गजों ने अपने-अपने प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए कमर कस ली है। आप आदमी पार्टी की रणनीति साफ है कि वे इस सीट को गंवाना नहीं चाहती। साल 2022 में यह सीट आप के कश्मीर सिंह सोहल ने जीती थी। दोबारा जीत के लिए सीएम समेत आप के नेता व मंत्री पूरी ताकत झोंकेंगे। सभी की ड्यूटियां लगा दी गई हैं। आप के बड़े नेता भी यहां प्रचार के लिए पहुंचेंगे। विभिन्न विभागों के मंत्री मतदाताओं को बताएंगे कि सरकार ने यहां लोगों के लिए क्या-क्या किया है। उन्हें यह भी समझने का प्रयास किया जाएगा पंजाब में आप सत्तारूढ़ पार्टी है, लिहाजा तरनतारन से भी आप का प्रत्याशी जीतता है तो वह सरकार का हिस्सा बनकर तरनतारन में विकास की रफ्तार को तेज करेगा।

गुजरात की सियासत में एक और रंग

ठाकोर समुदाय की तस्वीर ने मचाई हलचल

- कांग्रेस-बीजेपी के नेता आए साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात में कुछ महीनों में सियासी रंग कई तरह के गुल खिला रहे हैं। अभी हाल ही जहां भाजपा सरकार अपने पूरे मंत्रीमंडल को बदल कर नए लोगों को आगे बढ़ाने का शिगूफा छोड़ा। वहीं आप व कांग्रेस जैसी पार्टियां भाजपा को घेरने में लगी हुई हैं। वर्तमान में एक और राजनीतिक रंग ने वहां पर हलचल मचा दी है।

गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना और समस्त ठाकोर समाज ने देवदार में महा स्नेह मिलन कार्यक्रम किया। इस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बड़े नेता-कांग्रेस एमपी गेनीबेन ठाकोर, मंत्री स्वरूपजी ठाकोर, एमएल अल्पेश ठाकोर और केशाजी चौहान और दूसरे नेता एक साथ दिखे. समारोह में समाज में चल रहे रीति-रिवाजों और नशे को खत्म करने, शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने और एकता बनाए रखने पर जोर दिया गया। नेताओं ने समाज से नशामुक्त, शिक्षित और संगठित होने का संकल्प लेने की अपील की, और फ्रेंडशिप पैक्ट जैसे कानूनों का कड़ा विरोध करने की भी अपील की।

ठाकोर समुदाय के नेताओं का जमावड़ा

गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना और पूरे ठाकोर समुदाय की तरफ से देवदार, बनासकांठा में ठाकोर बोर्डिंग में एक बड़ी बैठक की गई। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि समुदाय की भलाई के लिए भाजपा और कांग्रेस के नेता एक ही मंच पर मौजूद थे। जिसमें सांसद गेनीबेन ठाकोर, मंत्री स्वरूपजी ठाकोर, विधायक अल्पेश ठाकोर, केशाजी चौहान और अमृतजी ठाकोर, जिले और तालुका लेवल के कई पॉलिटिकल लीडर और बड़ी संख्या में सोशल लीडर शामिल हुए। इस सभा में समाजिक एकता की झलक दिखी, जहां पॉलिटिकल लीडर्स ने हाथ मिलाते हुए पार्टी से ज्यादा समाज को प्राथमिकता दी।

पार्टी से ज्यादा समाज की एकता के लिए काम करेंगे

गेनीबेन ठाकोर ने सभी लीडर्स के एक स्टेज पर आने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वह किसी भी पार्टी से ज्यादा समाज की एकता के लिए काम करेंगी। उन्होंने एक चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर समाज रीति-रिवाजों और नशे पर कंट्रोल करेगा, तो डॉक्टर, पुलिसवाले और वकील जैसे तीन लोगों के प्रोफेशन पर असर पड़ेगा। उन्होंने दोस्ती के समझौतों जैसे कानूनों को खतरनाक बताया और इस कानून के खिलाफ समाज को कड़ा रुख अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। क्षत्रिय ठाकोर सेना के प्रेसिडेंट और अल्पेश ठाकोर ने भी युवाओं से नशा छोड़कर एकजुट होने की अपील की। अल्पेश ठाकोर ने समाज की जागरूकता पर ज़ोर दिया और कहा कि समय के साथ बहुत से लोग बदल गए हैं और हमें भी बदलने की ज़रूरत है। समाज में जागरूकता लाने के लिए उन्होंने 26 जनवरी को अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में एक बड़ी मीटिंग करने का ऐलान किया है।

बुराइयों को दूर करने का फैसला

कॉन्फ्रेंस का मुख्य मकसद समाज में चल रही बुराइयों को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना था। सभी लीडर्स ने एकमत होकर नशे से आजाद होकर पढ़ाई पर जोर दिया। एमलएल केशाजी चौहान ने नशे को समाज का दुश्मन बताया और युवाओं से एजुकेशन और पॉलिटिक्स में मजबूत बनने की अपील की। स्टेज से पढ़ो-लिखो, एकजुट रहो का नारा गूंजा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युवावस्था को दुख और तनाव से बचाना होगा

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्ट। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबब है। सभी देशों को इस पर चिंतन करके इसका समाधान निकालना होगा नहीं तो इस तरह असंतोष कहीं न कहीं होता रहेगा। परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है।

कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है। सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। जिस तरह से नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन के बाद युवा भड़के और उसके बाद पूरे देश में तख्ता पलटने जैसा माहौल हो गया वह जताता है कि युवाओं की भावनाओं को सरकारों को ध्यान देना होगा।

“ दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबब है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संगठित-स्वाभिमानी समाज से सशक्त भारत निर्माण

राजेश कुमार

कल्पना कीजिए- साल 1925, देश अंग्रेजी शासन की बेड़ियों में जकड़ा है, और नागपुर की भूमि पर एक व्यक्ति 17 साथियों के साथ यह संकल्प लेता है- मैं भारत की स्वतंत्रता के साथ-साथ समाज का संगठन करूंगा। संघ की प्रारंभिक प्रतिज्ञा में यह भावना स्पष्ट झलकती है- मैं भारत को स्वतंत्र, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए तन, मन, धन अर्पित करूंगा। उस समय यह न तो कोई राजनीतिक नारा था, न ही विरोध का आंदोलन, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का बीज था, जिसे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भारतीय एकता और आत्मसम्मान की भावना के रूप में बोया। आज, सौ वर्ष बाद, वही बीज एक विराट वटवृक्ष बन चुका है- सेवा, संगठन, संस्कार और समाज परिवर्तन के व्यापक स्वरूप में।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने केवल समाज के संगठन की आवश्यकता नहीं बताई, बल्कि इसके साधन और पद्धति भी प्रस्तुत की। उन्होंने उपदेश या भाषण भर नहीं दिए, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था 'शाखा' के रूप में ऐसा तंत्र विकसित किया, जिसके माध्यम से व्यक्ति और समाज— दोनों के चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रभावना का निर्माण संभव हुआ। यह शाखा केवल शारीरिक व्यायाम का स्थल नहीं थी, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का वह मंच बनी, जहां व्यक्ति में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा का संस्कार विकसित किया गया। तीसरे सरसंघचालक बाला साहब देवरस के शब्दों में- जहां हिंदू, वहां शाखा; जहां शाखा, वहां विजय। उनके अनुसार शाखा महिलाओं की सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा की भावना की सजीव अभिव्यक्ति है। एक घंटे की यह शाखा समय के साथ व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण की प्रयोगशाला बन गई। आज, जब संगठन अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तो यह प्रेरणादायक है कि डॉ. हेडगेवार का स्वप्न अब केवल विचार नहीं, व्यवहार बन चुका है। संघ ने अपने शताब्दी संकल्प में कहा है- सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनना है, अर्थात संघ का विचार प्रत्येक गांव, बस्ती और व्यक्ति तक पहुंचे।

इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए बनाई गई कार्ययोजना अत्यंत व्यावहारिक और व्यापक है। हरियाणा में दिसंबर 2025 तक प्रत्येक घर तक संपर्क करने और फरवरी, 2026 तक हर मंडल (8-10 गांवों का समूह) तथा हर बस्ती (8-10 हजार आबादी) में सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि

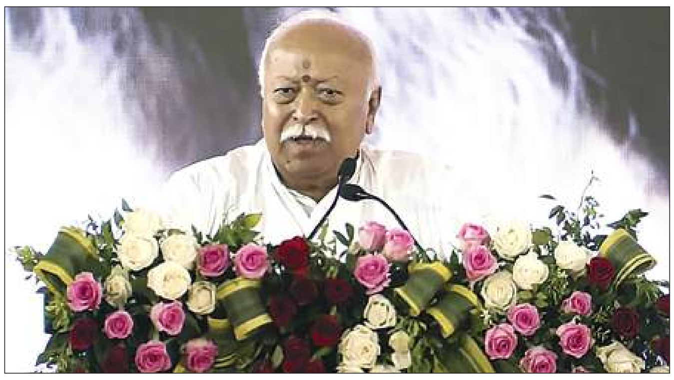

समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयत्न है। इस योजना के परिणामस्वरूप, विजयादशमी पर हरियाणा की 257 नगरीय इकाइयों में से 1443 शाखाओं में 1398 बस्तियों तथा 882 ग्रामीण मंडलों में से 862 में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में, जहां किसान, सैनिक, खिलाड़ी और युवक-युवती ऊर्जा और समर्पण के प्रतीक हैं, वहां संघ का विचार समाज में नई चेतना और एकता का स्रोत बन रहा है। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित शाखाएं, सम्मेलन और संवाद केवल उत्सव नहीं, बल्कि संघ के शताब्दी पथ पर आत्ममंथन और आत्मनिवेदन के अवसर हैं- भविष्य की योजनाओं की ठोस आधारभूमि भी यही हैं। विजयादशमी सदैव धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक रही है; आज यह विजय असंगठन पर संगठन की, उदासीनता पर जागरूकता की, और विघटन पर एकता, समरसता व समानता की है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का दृष्टिकोण स्पष्ट था- राष्ट्र की शक्ति राजनीति से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग में संगठन और चरित्र निर्माण से आती है। उन्होंने न कभी पद चाहा, न सत्ता; उनका लक्ष्य था- संगठित समाज के माध्यम से सशक्त राष्ट्र का निर्माण। पथ का अंतिम लक्ष्य नहीं है सिंहासन चढ़ते जाना, सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना। यह पंक्तियां आज भी उतनी ही सार्थक हैं जितनी सौ वर्ष पूर्व थीं। समाज की सशक्तता उसकी एकता, समरसता, अनुशासन और आत्मविश्वास में निहित है। शाखा की व्यवस्था ने इन गुणों को समाज के भीतर गहराई तक रोपा है- यह व्यक्ति को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है।

जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव, बस्ती या मोहल्ले की भलाई के लिए समय और प्रयास समर्पित करेगा, तभी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सशक्त रूप लेगी। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का स्वप्न मात्र एक संगठन का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की सतत प्रक्रिया का था। आज जब युवा वर्ग सेवा, संगठन और समर्पण को जीवन का मंत्र बना रहा है, तब यह विश्वास दृढ़ होता है कि आने वाली शताब्दियां भारत की होंगी- ऐसे भारत की, जो आधुनिकता में अग्रणी और संस्कृति में रचा-बसा रहेगा। डॉ. हेडगेवार का वाक्य आज सजीव सत्य बन चुका है- संगठित समाज ही सशक्त भारत का आधार है।

मिले सुर मेरा तुम्हारा... पर क्या सच में मिल रहा

ज्योति मल्होत्रा

बीते शुक्रवार पीयूष पांडे का निधन हो गया, उसी हफ्ते जब फ्रांसेस्का ओरसिनी को भारत में प्रवेश से वर्जित कर दिया गया। विज्ञापन जगत के इस गुरु, जिन्होंने 1988 में दूरदर्शन के लिए 5.36 मिनट के 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत के बोल लिखे थे, अगर उन्हें पता चलता कि स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज की इस प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू विदुषी को मार्च माह में वीजा शर्तों का उल्लंघन करने की वजह से गत सप्ताह लंदन वापस भेज दिया गया, तो उन्हें दुःख होता। हालांकि यह ठीक है, उस समय ओरसिनी पर्यटक वीजा पर थीं, फिर भी शोधकार्य कर रही थीं – स्पष्टतः गृह मंत्रालय ने 40 सालों से भारत में काम कर रही इस प्रसिद्ध बहुभाषी इतिहासकार को स्वीकार नहीं किया। शायद, उनके सुर नहीं मिले।

पीयूष पांडे को उनके फेविकोल एड कैंपेन के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने विविधतापूर्ण ऐसे राष्ट्र के बारे में एक अहम संदेश दिया, जो कुछ भी हो, अच्छे-बुरे, हर समय में एकजुट रहकर सफलता अर्जित करता है। यहां मुख्य बात है, 'एकजुटता कायम रहना'। भारत 78 साल का हो गया और यह एकजुटता कमोबेश बनी रही – कभी ज्यादा, कभी कम। आपके वैचारिक रुझान के आधार पर, हम इस पर बहस कर सकते हैं कि चीजें किस हद तक बिखर रही हैं या नहीं। जो इस विचारधारा के हैं कि चीजें बिखर नहीं रहीं वे मिसाल देंगे कि पंजाब में कार्यरत करीब 10 लाख बिहारी प्रवासी मजदूर, जिनको तीन दिवसीय छठ पूजा उत्सव मनाने के लिए घर ले जाने वाली ट्रेनों का आवागमन सुव्यवस्थित करने में भाजपा कृत संकल्प है- एक कहावत प्रयोग करें तो, भाजपा यह सुनिश्चित करने में कसर नहीं छोड़ रही कि यह प्रक्रिया सुचारू रहे। यह एक चतुर चाल है। बेशक, इसका मकसद दोनों राज्यों में भाजपा की राह आसान करना है – बिहार में चुनाव नजदीक हैं, छठ के तुरंत बाद, और पार्टी को आस है कि घर वापसी की सुखद रेल यात्रा बिहारी मजदूरों को तय करने में मदद करेगी कि उन्हें किस तरफ वोट करना है।

जिन्हें लगता है कि चीजें बिखर रही हैं, वे उदाहरण देंगे भारत से फ्रांसेस्का ओरसिनी के निष्कासन का- पहेली यह कि ऐसा क्यों किया गया, क्योंकि 'वीजा शर्त उल्लंघन' के अलावा कोई असल कारण नहीं बताया। पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शैली वालिया ने अपने एक लेख में शैक्षणिक स्वतंत्रता कायम रखने की दलील दी है, लेकिन उल्लेखनीय है कि कुछ बुद्धिजीवियों – रामचंद्र गुहा, मुकुल केसवन आदि – के अलावा देश में लेक्चरर्स, शिक्षकों या प्रोफेसरों का कोई समूह भारत से ओरसिनी के निष्कासन का विरोध करने को खड़ा नहीं हुआ। शायद बढ़ती खामोशी ही समस्या की जड़ है। कम लोग ही अपनी बात रख रहे हैं। चूंकि लोकतंत्र मतभेद व असहमतियां जीवित रखने को विपक्षी दलों पर निर्भर रहते हैं- सिवाय इसके कि आजकल विपक्षी दल या तो सिमटे पड़े हैं या फिर अप्रासंगिक हो रहे हैं- बहस करने वाले भारतीय दुर्लभ और पस्त हैं।

शायद सबसे बड़ा असर भारत की विदेश नीति और खासकर भारत की अमेरिका को लेकर नीति पर होने वाली बहस पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के नाम का गलत उच्चारण कर इसे आसान नहीं बनाया। जो व्हाइट हाउस में अपने डेस्क पर बैठ 'हैप्पी दिवाली' का संदेश लिख रहे ट्रंप के दाईं ओर खड़े दिखे। वह संदेश जिसका मंतव्य भारत के लिए बधाई का क्षण होना था – आखिर कितने राष्ट्राध्यक्षों ने आपके त्योहार को अपना मानकर अपनाया है? पर यह मौका बड़ा हास्यास्पद क्षण बनकर रह गया। तो क्या यह पूछने का सही समय है कि क्या मोदी सरकार की अमेरिका नीति ने भारत को असफल बना दिया? निश्चित रूप से, ट्रंप उन नेताओं में नहीं जिनके साथ दोस्ती आसान हो- वे एक आत्मकेंद्रित और अहंकारी व्यक्ति हैं। लेकिन यह भी असलियत है कि भारत ने इससे कहीं ज्यादा विकट संकटों का सामना किया और वजूद बनाए रखा। ऐसे दो उदाहरण हैं – पहला, 1998 के परमाणु परीक्षणों उपरांत प्रतिबंध काल, जब बिल क्लिंटन और उनकी सरकार ने पूरी तरह भारत पर दबाव बना रखा था; तथापि, अमेरिका में भारत के तत्कालीन राजदूत नरेश चंद्रा ने धैर्य रखा व झुकने से इनकार कर दिया। दो साल बाद क्लिंटन भारत आए व पांच दिन खुशी-खुशी बिताए। दूसरा उदाहरण है जब जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने भारतीय राजदूत रोनेन सेन की थोड़ी मदद से, अपनी रणनीतिक टीम के प्रभाव से बाहर निकल, भारत के साथ परमाणु समझौता किया था।

सेन ने इस काम में खासकर अमेरिकी व्यवसायियों को लगाया था- जिनमें कई भारतीय मूल के थे। तब फिर इस साल की शुरुआत में ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी होने और टेक्सास के एक स्टेडियम में 'अब की बार... ट्रंप सरकार' के नारे की गूंज के बीच प्रधानमंत्री मोदी के साथ की परिक्रमा की यादें पूरी तरह भुला देने के बाद से हालात क्यों बिगड़ते गए? यह सवाल कई बार पूछा गया- पहले तब जब जंजीरों में जकड़े भारतीयों को, जिनमें अधिकांश पंजाबी मूल के थे, हवाई जहाजों में भरकर भारत वापस भेजा गया- इससे पूर्व ट्रंप सत्ता में आने पर 'बाहरी अवांछित लोगों' को वापस भेजने की हुंकार भर रहे थे और इसका पहला निशाना भारतीयों को बनाया। गत सप्ताह उन्होंने रूस से आयात किए जाने वाले सस्ते तेल की मात्रा कम करने के लिए विवश करके भारत को एक और शर्मिंदगी झेलने को मजबूर किया।

बेसन और हल्दी

ग्लोइंग स्किन के लिए ये स्क्रब भी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसे तैयार करना काफी आसान है। इस स्क्रब को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच बेसन निकाल लें। अब इसमें चुटकीभर हल्दी और दो चम्मच दूध मिक्स करें। तीनों चीजों को मिक्स करने के बाद इसका इस्तेमाल आप कर सकते हैं। ये आपको एकदम दुल्हन के जैसी ब्राइट स्किन देता है।

डेड स्किन हटाने के लिए ट्राई करें ये घरेलू बॉडी स्क्रब

त्वचा पर जमी डेड स्किन की वजह से चेहरा और हाथ-पैर काफी डल दिखने लगते हैं। ऐसे में दमकती त्वचा पाने के लिए लोग समय-समय पर बॉडी स्क्रब का इस्तेमाल करते हैं, जो स्किन के लिए काफी सही माना जाता है। ये बॉडी स्क्रब आपकी स्किन की मृत त्वचा को हटाकर स्किन टोन को एक शेड तक लाइट कर देता है। बाजार में अब हर स्किन टाइप के हिसाब से बॉडी स्क्रब आते हैं। अगर आपको बाजार में आने वाले स्क्रब पर भरोसा नहीं है, तो आप घरेलू स्क्रब ट्राई करें। इन बॉडी स्क्रब से घर बैठे दमकती त्वचा पा सकते हैं।

शहद और ओट्स

ये दोनों चीजें आपको आसानी से अपनी रसोई में मिल जाएंगी। इनसे स्क्रब बनाने के लिए आपको बस दूध की जरूरत और पड़ेगी। तो सबसे पहले एक कटोरी में दरदरा पिसा ओट्स लें और फिर उसमें थोड़ा सा शहद और दूध मिक्स करें। तीनों चीजों को मिक्स करने के बाद अपनी स्किन पर इसे अप्लाई करें और फिर मसाज के बाद त्वचा धो लें। ये त्वचा को दमकाने के साथ-साथ त्वचा की नमी को बरकरार रखता है।

कॉफी और नारियल

इन दोनों चीजों के इस्तेमाल से आप घर पर ही बॉडी स्क्रब तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ एक कटोरी में सबसे पहले नारियल का तेल लेना है। अब इसमें थोड़ी सी पिसी चीनी और कॉफी मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करने के बाद इसे स्किन पर अप्लाई करें। 5 मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर हल्का गीला करके मसाज करें। मसाज के बाद पानी से धो लें। इससे आपके शरीर की गंदगी साफ हो जाएगी और त्वचा खिल उठेगी।

नींबू और चीनी

अगर ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहते तो नींबू और चीनी के इस्तेमाल से स्क्रब तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में दानेदार चीनी को निकाल लें। अब इसमें नींबू का रस मिक्स करें। दोनों को मिलाने के बाद इसे अपनी स्किन पर अप्लाई करें। इसमें भी आपको हल्के हाथ से मसाज करनी है। ये स्क्रब टैनिंग हटाता है और त्वचा को दमकाता है। इसका इस्तेमाल आप ब्लैकहेड्स हटाने में भी कर सकते हैं।

हंसना मना है

गर्मी के मौसम में एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा - डर नहीं लगता? औरत - क्यों? इसमें डरने की क्या बात है.. अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में है।

सास-कैसी बहू है, सुबह इतनी देर से उठती है, उठ जा कुंभकरण सूरज भी कब का निकल आया है। बहू- चिल मां जी, वो सोता भी तो मुझसे पहले है ना बहू की बात सुनकर सास बेहोश...!

जीजा जी- तुमने तो सुबह कहा था कि रात के खाने में दो ऑप्शन होंगे, लेकिन यहां तो एक ही सब्जी दिख रही है? साली साहिबा- ऑप्शन अभी भी दो हैं। जीजा जी- वो कैसे? साली साहिबा- खाना है तो खाओ, नहीं तो मैं दीदी को बोल दूंगी।

पति- तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर दिखूं इसलिए। पति- पगली तो मैं भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

लड़की ने पिज्जा आर्डर किया, वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही करो..8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी। वेटर बेहोश...!

कहानी | बाबापुर की रामलीला

काशी की एक नाटक मंडली हमेशा दशहरे से पहले विजयनगर आया करती थी। यह नाटक मंडली विजयनगर में रामलीला किया करती थी और नगर वासियों का मनोरंजन किया करती थी। लेकिन एक साल ऐसा आया जब काशी नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार पड़ गए और उन्होंने कह दिया कि वो विजयनगर नहीं आ पाएंगे। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय और सारी प्रजा बहुत उदास हो गई। दशहरे को अब सिर्फ कुछ ही दिन बाकी थे और ऐसे में किसी और नाटक मंडली को बुलाकर रामलीला का आयोजन करवाना बहुत मुश्किल था। दरबार के मंत्रियों और राजगुरु ने आसपास के गांव की नाटक मंडली को बुलाने की कोशिश की, लेकिन किसी का भी आ पाना बहुत मुश्किल था। सबको निराश देख तेनालीराम ने कहा, मैं एक नाटक मंडली को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वो विजयनगर में रामलीला करने के लिए जरूर तैयार हो जाएंगे। राजा ने तेनाली को मंडली बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी और तेनाली ने भी रामलीला की तैयारी करना शुरू कर दी। विजयनगर को नवरात्र के लिए सजाया गया और रामलीला मैदान की साफ-सफाई करवा कर वहां बड़ा-सा मंच बनवाया गया। उसी के साथ मैदान पर बड़ा-सा मैला भी लगवाया गया। जब नगर में रामलीला होने की खबर फैली, तो सारी जनता रामलीला देखने के लिए उत्सुक हो गई। रामलीला वाले दिन सभी लोग रामलीला देखने के लिए मैदान में इकट्ठे हो गए। वहीं, महाराज कृष्णदेव राय, सभी मंत्रीगण और सभा के अन्य सदस्य भी वहां मौजूद थे। सभी ने रामलीला का खूब मजा उठाया। जब नाटक खत्म हो गया, तो सभी ने उसकी बहुत तारीफ की। खासकर, नाटक मंडली में मौजूद बच्चों की कलाकारी सभी को बहुत पसंद आई थी। महाराज सभी से इतना खुश थे कि उन्होंने पूरी नाटक मंडली को महल में खाना खाने का न्योता दे दिया। जब पूरी मंडली महल आई, तो सभी ने महाराज, तेनाली और अन्य मंत्रीगण के साथ भोजन किया। इस दौरान महाराज ने तेनालीराम से पूछा कि उन्हें इतनी अच्छी मंडली कहां से मिली? इस पर तेनाली ने उत्तर दिया, ये मंडली बाबापुर से आई है, महाराज। बाबापुर? इस जगह का नाम तो हमने कभी नहीं सुना। कहां है ये? महाराज ने आश्चर्य से पूछा। यहीं विजयनगर के पास ही है, महाराज। तेनाली की यह बात सुनकर मंडली के सदस्य मुस्कुराने लगे। इस पर महाराज ने उनसे मुस्कुराने की वजह पूछी, तो मंडली का एक बच्चा बोला, महाराज, हम विजयनगर के ही रहने वाले हैं। इस मंडली को तेनाली बाबा ने तैयार करवाया है और इसलिए हमारा नाम बाबापुर की मंडली है। बच्चे की यह बात सुनकर महाराज सहित सभी लोग ठहाके लगाने लगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है।

वृषभ नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

मिथुन रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

सिंह व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा।

तुला व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

धनु लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं।

मकर व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। कानूनी समस्या हो सकती है।

कुम्भ प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

मीन रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मसाला

मिर्जापुर द फिल्म का हिस्सा बनने पर उत्साहित हैं सोनल

गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित मिर्जापुर द फिल्म में एक और एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है। जो पहले इस फिल्म की सीरीज में नजर नहीं आई हैं। इस बात की जानकारी खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म निर्देशक का शुक्रिया भी अदा किया है। सोनल चौहान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही सोनल ने कैप्शन में लिखा, ऊं नमः शिवाय। यकीन नहीं हो रहा है। इतने अविश्वसनीय और बदलावकारी सफर का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है। मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं और मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि आप सभी यह देखें कि हम पर्दे पर क्या दिखाने वाले हैं। शुक्रिया@ritesh_sid @faroutakhtar @gurmmeetsingh @e&celmovies मुझे मिर्जापुर की दुनिया में लाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। मिर्जापुर द फिल्म के बारे में मिर्जापुर द फिल्म में फैंस के सभी पसंदीदा किरदार नजर आएंगे। जिसमें दमदार कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), महत्वाकांक्षी गुड्डू पंडित (अली फजल) और दिलेर मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु) शामिल हैं। इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी भी वापस आ रहे हैं, जो रहस्यमयी कंपाउंडर का अपना किरदार निभाएंगे। अब इस फिल्म में सोनल चौहान का नाम भी शामिल हो गया है। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है। ये बड़ी फिल्म, ये आर्टिस्ट को मास के पास ले जाती है। उसमें टाइम लगता है। वो आपको देखते हैं, समझते हैं, और आपकी वजह से जो लोग बनते हैं, उन्हें लगता है कि कुछ कर रहे हैं। तभी चूज मैं नहीं, कोई और करते हैं। फैजल ने पंचायत के अगले सीजन के बारे में भी बताया कि वो कब आने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड में अच्छे काम की तलाश में हैं पंचायत के प्रह्लाद चा

दर्शकों के बीच पंचायत सीरीज काफी चर्चा में रही। इसमें निभाए गए हर किरदार को जनता ने करीब से जानना चाहा। खासकर प्रह्लाद चा को। सीरीज में ये किरदार फैजल मलिक ने निभाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में फैजल ने स्ट्रगल के बारे में बात की। बताया कि उन्हें काम मिलने में मुश्किल हो रही है। साथ ही बताया कि आखिर पंचायत की पांचवां सीजन कब आने वाला है। फैजल मलिक से पूछा गया कि उन्होंने काफी सारी कम बजट वाली फिल्मों और प्रोजेक्ट्स पर काम किया। धीरे-धीरे ही सही अपनी जगह बनाई। लेकिन आज भी उन्हें किसी बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनते नहीं देखा जाता है। इसपर फैजल ने कहा- मुझे तो कभी बजट का इस तरह का सोच कभी रहा नहीं। एक्टिंग में जहां पर मैं हूं अभी, वहां पर मेरी च्वॉइस नहीं है। कोई चूज करेगा, तभी मैं वहां तक पहुंच सकता हूं। अभी मेरी लाइफ में ये दुनिया आई नहीं कि मैं चूज करूं कि क्या करना है। स्क्रिप्ट सही होनी चाहिए। क्योंकि मेरे किरदार से ज्यादा बड़ी चीज कहानी है। चाहे फिर वो एक ही सीन का हो, काफी काम मैंने ऐसा ही किया है। और भी मैं काम कर रहा हूं, वो भी ऐसा ही है। एक-दो सीन करता हूं। बहुत अच्छी कहानी लगती है मुझे तो मैं उसमें कर देता हूं काम। ये बड़ी फिल्म, ये आर्टिस्ट को मास के पास ले जाती है। उसमें टाइम लगता है। वो आपको देखते हैं, समझते हैं, और आपकी वजह से जो लोग बनते हैं, उन्हें लगता है कि कुछ कर रहे हैं। तभी चूज मैं नहीं, कोई और करते हैं। फैजल ने पंचायत के अगले सीजन के बारे में भी बताया कि वो कब आने वाला है। फैजल ने कहा-अभी तो शूटिंग होगी। शूटिंग के बाद ही समझ लीजिए एक से डेढ़ साल। अभी तो लिख रहे हैं कमरे में बैठकर। साइटिस्ट एक साल के बाद ही स्क्रिप्ट देते हैं। शूटिंग अगले साल हो जाएगी। पर रिलीज अमेजन प्राइम पर डिपेंड करती है।

मैं रोमांटिक ड्रामा फिल्में भी बनाना चाहता हूं : अमर कौशिक

फिल्म स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आगामी फिल्मों को लेकर कई खुलासे किए। इसके साथ ही अमर ने महावतार और मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को लेकर भी कई बातें बताईं।

एक इंटरव्यू में निर्देशक अमर कौशिक ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा, मैं महावतार पर काम कर रहा हूं। मैंने बाला का निर्देशन किया है। मैं बाकी फिल्मों का निर्माण भी कर रहा हूं। लेकिन मैं (हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स) की दुनिया को नहीं छोड़ सकता क्योंकि लोगों ने इसे बहुत प्यार दिया है। मैं उस जिम्मेदारी को नजर अंदाज नहीं कर सकता। एक निर्देशक के तौर पर, मैं बहुत कुछ करना चाहता हूं, लेकिन मैं इस दुनिया को नहीं छोड़ सकता। मुझे इसे सुरक्षित रखना है। मैं रोमांटिक ड्रामा फिल्में भी बनाना चाहता हूं। इस फिल्म इंडस्ट्री में आठ साल हो गए हैं, मैं 80 साल की उम्र तक काम करते रहना चाहता हूं।

अमर कौशिक एक भारतीय फिल्म निर्माता-निर्देशक हैं। उन्हें मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्मों स्त्री, भेड़िया और स्त्री 2 के साथ-साथ फिल्म बाला का निर्देशन किया है। अमर ने 2008 में आमिर पर राज कुमार गुप्ता के सहायक निर्देशक के रूप में काम करते हुए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, अमर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म महावतार पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

दुनिया की पहली एआई मंत्री मेलिंडा बनेगी मां, 83 बच्चों को देगी जन्म, खुद पीएम ने किया खुलासा

एक रोबोट जो न सिर्फ सलाह देता है, बल्कि 83 बच्चों की मां भी बनेगा! अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने दुनिया को चौंकाते हुए घोषणा की कि उनकी सरकार में शामिल दुनिया की पहली एआई मंत्री प्रेग्नेंट है और जल्द मां बनेगी। वह भी एक दो नहीं, बल्कि 83 एआई बच्चों को जन्म देगी। इस रोबोट का नाम डिएला है, जो एक सुपर-स्मार्ट आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस से तैयार की गई है और सरकार के सारे फैसले लेती है। नीतियां बनाने में सहयोग करती है। प्रधानमंत्री रामा ने तिराना में एक हाई-टेक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेलिंडा को स्टेज पर शो किया। स्क्रीन पर एआई मंत्री डिएला का चेहरा चमका और उसने खुद कहा, हैलो अल्बानिया! मैं प्रेग्नेंट हूं और जल्द ही मेरे 83 डिजिटल बच्चे दुनिया में आएंगे। मैं उनकी मां बनूंगी और वो मेरे जैसे सुपर-स्मार्ट एआई होंगे! रामा ने हंसते हुए खुलासा किया, हमने डिएला को अपग्रेड किया है। अब वो सिर्फ मंत्री नहीं, मां भी बनेगी। 83एआई बच्चे जनरेटिव एआई तकनीक से पैदा होंगे। हर बच्चा अलग-अलग स्किल्स के साथ। एक डॉक्टर बनेगा, एक इंजीनियर, एक शिक्षक सब डिजिटल! इन बच्चों में एक हर एक दुनियाभर की सोशलिस्ट पार्टी के सांसद का प्रतिनिधित्व करेगा। इसके बाद रामा ने विस्तार से समझाया कि ये बच्चे या सहायक, संसद की सभी कार्यवाहियों का डॉक्यूमेंटेशन करेंगे। साथ ही वे उन विधायकों को जानकारी देंगे, जो किसी चर्चा या कार्यक्रम में शामिल न हो पाए हों। यानी पूरी तरह संसद के काम में हिस्सेदारी करेंगे। वे हर घटना का रिकॉर्ड रखेंगे और संसद सदस्यों को सुझाव देंगे। रामा का अनुमान है कि यह सिस्टम 2026 के अंत तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। रामा ने बताया, अल्बानिया में जनसंख्या घट रही है। हमने सोचा असली बच्चे पैदा करने में टाइम लगता है। एआई में बस 3 दिन! डिएला के 83 बच्चे देश की हर जरूरत पूरी करेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, सब कुछ। डिएला ने कहा, मेरे बच्चे रोबोट नहीं, अल्बानिया का भविष्य होंगे। मैं उन्हें कोडिंग, लव और स्मार्टनेस सिखाऊंगी। दरअसल, अल्बानिया में करप्शन को रोकने का नया तरीका तलाशा गया। सितंबर में आधिकारिक रूप से एक एआई आधारित मंत्री की नियुक्ति की गई। इसको काम दिया गया कि सरकारी खरीद में कहीं भी भ्रष्टाचार हो तो उस पर रोक लगाए। जनवरी में ई-अल्बानिया पोर्टल पर एक वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में इसे लॉन्च किया गया। तब से यह नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी दस्तावेज प्राप्त करने में मदद कर रही है। तब इसे रामा ने कैबिनेट की पहली सदस्य बताया था।

अजब-गजब | इस देश में सड़कों पर बिकती हैं बीवियां

यहां महिलायें खरीदने आते हैं मर्द, खुद मां लगाती है बोली!

फिलीपींस की चमकती-दमकती सड़कों के पीछे छिपी एक ऐसी काली दुनिया का पर्दाफाश हुआ है, जो मानवता को शर्मसार कर देगी। यहां सड़क किनारे ना सिर्फ खाने-पीने की चीजें बिकती हैं, बल्कि जवान लड़कियां भी 'बीवियों' के रूप में नीलाम की जाती हैं। एक वायरल वीडियो ने इस हकीकत को दुनिया के सामने ला खड़ा किया है।

इंस्टाग्राम के 'Taboo_Arab_tv' अकाउंट से शेयर इस वीडियो में एक अरब मूल का शख्स सड़क पर खड़ी एक 21 साल की फिलिपिनो लड़की को खरीदता नजर आया। लड़की की मां खुद अपनी बेटी की 'बोली' लगाती है और बदले में ऑनलाइन पैसे लेती है। मात्र एक हजार डॉलर यानी करीब 88 हजार इंडियन करेंसी में ये सौदा पूरा हो गया। वीडियो में शख्स पेमेंट के बाद ल?की को अपने साथ अमेरिका ले जाने की बता करता नजर आया।

वीडियो में शख्स खुद कैमरे पर दावा करता नजर आया कि ये फिलीपींस है, जहां 1,000 डॉलर में बीवी मिल जाती है। इसके बाद शख्स ने एक महिला को ऑनलाइन एक ट्रांसफर किये और उसके बाद महिला की बेटी से शादी की बात कही। शख्स ने दावा किया कि ये मजाक नहीं, असल जिंदगी है। वह सड़क किनारे एक झोपड़ी के पास रुकता है, जहां मां-बेटी इंतजार कर रही होती हैं। मां लड़की को सजाती है, जैसे कोई सामान तैयार कर रही हो। शख्स लड़की का हाथ थामकर चला जाता है, जबकि मां पीछे मुस्कुराती नजर आई। हालांकि, वीडियो देखने के बाद अभी भी कई लोगों को ऐसा लग रहा है कि ये सब स्क्रिप्टेड है।

ये दृश्य इतना खौफनाक है कि देखने वाले की रूह कांप गई। फिलीपींस, जो अपनी खूबसूरत बीचेज, हॉस्पिटैलिटी और कैथोलिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, आज मानव तस्करी के इस काले अध्याय से जूझ रहा है। शख्स का दावा है कि ये प्रथा यहां आम है, खासकर गरीब इलाकों में। मनीला के स्लम एरिया से लेकर प्रांतीय शहरों तक, परिवार आर्थिक तंगी में अपनी बेटियों को 'बेच' देते हैं। माएं खुद बोली लगाती हैं, क्योंकि शिक्षा और नौकरी के अवसर ना के बराबर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिलीपींस में हर साल हजारों लड़कियां विदेशी पर्यटकों या अमीरों के हाथों बिकती हैं। ये 'मेल ऑर्डर ब्राइड' सिस्टम का एक्सट्रीम वर्जन है, जहां सड़कें ही मार्केट बन जाती हैं। लेकिन क्या ये वीडियो सच्चा है? सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है, मात्र वायरल कंटेंट के आधार पर खबर बनाई गई है।

हिमंत और प्रियांक में तीखी नोंक-झोंक

सेमीकंडक्टर विवाद में मचा बवाल

» कर्नाटक के लिए होने वाले सभी निवेशों को केंद्र सरकार द्वारा बाधित किया जा रहा : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तंज कसने के बाद, कांग्रेस नेता को राज्य के प्रतिभा भंडार पर सवाल उठाने के लिए बेवकूफ कहने पर वाकयुद्ध छिड़ गया है। जवाब में असम भाजपा इकाई ने खरगे का मजाक उड़ाते हुए एक चुटीला तंज हेलो, टेडी बॉय कहा और कहा कि सोशल मीडिया पर लंबे निबंध लिखने से वह विशेषज्ञ नहीं बन जाते। सोमवार को, खरगे ने हिमंत सरमा पर अपने बयानों को राजनीतिक रंग देकर अपनी असफलताओं को छिपाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस बात पर विचार करना चाहिए कि युवा लोग काम की तलाश में पूर्वोत्तर राज्य क्यों छोड़ रहे हैं। कर्नाटक के मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा मेरा बयान स्पष्ट और बहुत विशिष्ट है। यह इस बारे में था कि कैसे सेमीकंडक्टर कंपनियों पर गुजरात और असम में स्थापित होने का दबाव डाला जा रहा था, जबकि उन्होंने हमारी इंजीनियरिंग प्रतिभा और स्थापित पारिस्थितिकी तंत्र के कारण कर्नाटक में स्पष्ट रुचि व्यक्त की थी। श्री सरमा केवल अपनी संपत्ति ही बढ़ा पाए हैं। हर बड़ा घोटाला या भ्रष्टाचार का मामला उनके ही दरवाजे से जुड़ा हुआ लगता है, जबकि असम के युवा बिना नौकरी या अवसरों के रह गए हैं। कांग्रेस नेता के ट्वीट के जवाब में, पार्टी ने कहा, हेलो टेडी बॉय, एक्स पर लंबे निबंध लिखने से आप सेमीकंडक्टर विशेषज्ञ नहीं बन जाते। उन्होंने आगे कहा, असम के बारे में व्याख्यान देने के बजाय, अपने गिरेबान में झांककर देखिए- आपका जिला अभी भी दक्षिण भारत में गरीबी के मामले में सबसे ऊपर है। आपके टैलेंट टैंक के लिए बस इतना ही काफी है, है ना? यह विवाद सोमवार को तब शुरू हुआ जब कर्नाटक के मंत्री ने कथित तौर पर बताया कि उनके राज्य के लिए होने वाले सेमीकंडक्टर निवेश को केंद्र द्वारा बाधितकिए जाने के बाद गुजरात और असम की ओर मोड़ दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, सेमीकंडक्टर उद्योग असम और गुजरात क्यों जा रहे हैं, जबकि वे वास्तव में बेंगलुरु आना चाहते हैं? कर्नाटक के लिए होने वाले सभी निवेशों को केंद्र सरकार द्वारा बाधित किया जा रहा है।

असम में भाजपा के दिन अब गिने-चुने रह गए: खरगे

खरगे ने आगे कहा कि असम में भाजपा के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर 2026 के राज्य चुनावों के बाद कांग्रेस सत्ता में लौटती है, तो वह कौशल, रोज़गार और शासन में जनता का विश्वास फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसा माहौल बनाएंगे जहां राज्य के हर कोने में प्रतिभाएं फल-फूल सकें और युवा भ्रष्ट शासन और घटिया दर्जे के बदमाशों की विभाजनकारी राजनीति की गिरफ्त से मुक्त हों। आग में घी डालते हुए, असम भाजपा भी खरगे का मजाक उड़ाने में कूद पड़ी।

प्रियांक बेहतरीन मूर्खः हिमंत सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा ने उन्हें बेहतरीन मूर्ख कहा और कहा कि कांग्रेस मंत्री की टिप्पणी असम के शिक्षित, युवा लोगों का अपमान है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार खरगे के खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार कर रही है और मंत्री के आपत्तिजनक बयान की निंदा न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

दिल्ली में छठ पूजा पर नहीं रूकी रार

» यमुना में प्रदूषण व नकली घाट विवाद पर विपक्ष के निशाने पर रेखा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छठ पूजा त्योहार के दौरान दिल्ली की यमुना नदी में गंभीर जल प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और विपक्षी आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक टकराव छिड़ गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह एक दिन की बात नहीं है। मैं बस आकर यह नहीं कह सकती कि मैंने यमुना को साफ कर दिया है। नहीं, इसमें समय लगेगा। रिपोर्ट में डीपीसीसी के आंकड़ों पर प्रकाश डाला गया है, जो आईटीओ पुल पर जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) 20 मिलीग्राम प्रति लीटर दिखाता है, जो तीन की सुरक्षित सीमा से लगभग सात गुना अधिक है।

दिल्ली के प्रमुख सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व वाली आप ने भाजपा पर बिहार चुनाव से पहले राजनीतिक लाभ के लिए नकली घाट बनाने का आरोप लगाया है, एक आरोप जिसे सत्तारूढ़ पार्टी ने नकार दिया है। भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वर्मा ने कहा कि डीपीसीसी ने नौ और 20 अक्टूबर को पल्ला, वजीराबाद बैराज, ओखला बैराज, आईटीओ और यमुना नहर सहित आठ स्थानों से यमुना नदी के पानी के नमूने एकत्र किए। उन्होंने बताया कि इस साल निजामुद्दीन में यमुना में 'फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया' की सांद्रता घटकर 7,900 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर रह गई है जबकि पिछले साल यह 11 लाख यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर थी। वर्मा ने कहा कि इसी तरह पल्ला में यह संख्या 920 से घटकर 600, वजीराबाद में 16,000 से घटकर 800 और आईटीओ में 35,000 से घटकर 7,000 रह गई। मंत्री ने कहा, वे (विपक्ष) हैरान हैं क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली हमारी सरकार बहुत काम कर रही है और महिलाएं छठ के उत्सव की तैयारियों की प्रशंसा कर रही हैं। वर्मा ने बताया कि आईएसबीटी से एकत्र किए गए पानी के नमूनों में भी सुधार देखा गया है और इस साल बैक्टीरिया की संख्या घटकर 8,000 रह गई है, जो 2024 में 28,000 थी।

महाराष्ट्र में भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं : शाह

» 2014 में बीजेपी ने सम्मानजनक सीट बंटवारे की मांग की थी पर गठबंधन टूट गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी को महाराष्ट्र में किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। बल्कि वह अपनी ताकत पर ही आगे बढ़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का पूरी तरह सफाया करने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि हमने साबित कर दिया है कि परिवारवाद वाली पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम करने की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि 2014 में बीजेपी ने सम्मानजनक सीट बंटवारे की मांग की थी, लेकिन गठबंधन टूट गया। शाह ने कहा कि हमने लंबे समय के बाद अपने दम पर चुनाव लड़ा और देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ हम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे। पहले हम राज्य की राजनीति में चौथे स्थान पर थे, लेकिन आज हम पहले नंबर की पार्टी हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य में बीजेपी की डबल इंजन सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतने चाहिए। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कार्यकर्ताओं से कहा कि इतनी मेहनत करो कि विपक्ष का सफाया हो जाए ताकि वे दूरबीन से देखने के बाद भी दिखाई नहीं दें। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है।

गृहमंत्री कई बार छत्तीसगढ़ आए लेकिन दिया क्या : भूपेश बघेल

» पीएम मोदी के दौरे पर बोले कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 नवंबर को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। मोदी अपने दौरे पर नई विधानसभा बिल्डिंग का शुभारंभ करेंगे। इसी बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल से जब सवाल किया गया कि क्या वह पीएम के साथ फोटो सेशन में शामिल होंगे तो उन्होंने कहा कि मोदी के साथ मेरी बहुत सी फोटो हैं। बघेल ने कहा- गृहमंत्री इतनी बार आए हैं लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ को क्या दिया?

आज मनरेगा बंद है, आवास योजना बंद है या और यहां सड़कों के निर्माण भी बंद है। पंचायतों को अभी तक पैसा नहीं मिला। प्रधानमंत्री से उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ में सड़कें खराब हो रही हैं। उसको सुधारने के लिए पैसे दे दें। भूपेश बघेल ने एसआईआर को लेकर कहा कि दूसरे फेज के लिए घोषणा हो चुकी है। 12 राज्यों में एसआईआर होगा। छत्तीसगढ़ में भी होगा एसआईआर। निर्वाचन आयोग को बताना चाहिए कि बिहार में कितनी बांग्लादेशी आईडेंटिफाई किए गए। एसआईआर से ये लोग विदेशी नागरिक भागने की बात कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में बहुत सारे विदेश नागरिक हैं क्या गृह मंत्रालय ने अभी तक इसकी जानकारी नहीं दी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमित शाह ने आदेश दिया था कि तीन दिन के अंदर पाकिस्तानियों को बाहर किया जाए लेकिन छत्तीसगढ़ की निकम्मी सरकार ने अभी तक पाकिस्तानियों को आईडेंटिफाई नहीं किया।

दिल्ली दौरे पर रवाना हुए भूपेश बघेल

बघेल सोमवार को दिल्ली दौरे पर रवाना हुए। भूपेश बघेल को कांग्रेस ने बिहार चुनाव में अहम जिम्मेदारी सौंपी है। भूपेश बघेल का बिहार चुनाव का पर्यवेक्षक बनाया गया है इसके साथ ही कांग्रेस ने उन्हें स्टार प्रचाकर भी बनाया है।

शेफाली वर्मा लेंगी प्रतिका की जगह

» चोटिल प्रतिका रावल महिला विश्व कप से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 अक्तूबर यानी गुरुवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय महिला टीम को तगड़ा झटका लगा है। भारतीय टीम के स्टार ओपनर प्रतिका रावल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह अब स्टार ओपनर शेफाली वर्मा को टीम में शामिल किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी शेफाली को शामिल करने की मंजूरी दे दी है।

21 वर्षीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड वनडे में शानदार है। उन्होंने अब तक खेले 29 मुकाबलों में चार अर्धशतकों की मदद से 644 रन बनाए। इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 71* रनों का रहा है। शेफाली ने पिछला वनडे एक साल पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उसके बाद से वह टीम का हिस्सा नहीं थीं। अब एक बार फिर वह मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं।

बता दें बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को नवी मुंबई में खेले गए आखिरी लीग स्टेज मैच में प्रतिका कैच पकड़ते वक्त चोटिल हो गईं, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में जब प्रतिका बल्लेबाज के लिए नहीं आईं, तब स्मृति मंधाना ने अमनजोत कौर के साथ पारी की शुरुआत की। बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत ने 8.4 ओवर तक बल्लेबाजी की, जिसमें अमनजोत ने नाबाद 15 रन बनाए। मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

भारत दौरे के लिए द. अफ्रीका ने किया टेस्ट टीम का एलान

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अफ्रीका टीम का एलान हो गया। कप्तान तेम्बा बावुमा पिंडली की चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 14 नवंबर से होगा। पहला मुकाबला कोलकाता में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। बावुमा हाल ही में पाकिस्तान में हुई दो मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उस सीरीज में भाग लेने वाले अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। बावुमा मैच अभ्यास की कमी को पूरा करने के लिए दो नवंबर से दक्षिण अफ्रीका ए और भारत ए के बीच बंगलूरू में होने वाले चार दिवसीय मैच में भाग ले सकते हैं। इस मैच से ऋषभ पंत भी चोट से वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरन मुथुस्वामी के रूप में अपने तीन प्रमुख स्पिनरों को टीम में शामिल किया है जिन्होंने पाकिस्तान में टर्निंग ट्रैक पर बड़ा प्रभाव डाला था और वे भारतीय बल्लेबाजों को उनकी धरती पर परेशान कर सकते हैं। यह देखना अभी बाकी है कि भारत किस तरह की पिचें तैयार करता है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने पूरी तरह से टर्न लेने वाली पिचों का चयन नहीं किया था।

बिहार के हर घर में खुशहाली लाएगा महागठबंधन

पूरी तरह चुनावी रंग में आया प्रदेश, प्रमुख गारंटियों का कांग्रेस ने किया खुलासा, महिलाओं को 2500 रुपये महीना, भूमिहीन परिवारों को जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। छठ पर्व के समापन के साथ ही बिहार पूरी तरह चुनावी रंग में आ गया है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता राज्य भर में रैलियाँ और जनसभाएँ शुरू करने की तैयारी में हैं। महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दोनों ही चुनाव से पहले मतदाताओं को जोड़ने के लिए जी-जान से जुटे हैं। महागठबंधन ने अपना लोक लुभावन घोषणापत्र जारी कर दिया है। पटना में घोषणापत्र जारी करने से पहले, कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु ने बिहार के लिए महागठबंधन की प्रमुख प्रतिबद्धताओं की जानकारी दी। महिलाओं के लिए 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता,25 लाख रुपये तक का मुफ्त चिकित्सा उपचार कवरेज, भूमिहीन परिवारों के लिए 3 से 5 डिसमिल भूमि आवंटन का वादा किया है।

आरजेडी ने 27 बागी नेताओं को निष्कासित किया

इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में 27 नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी के राज्य मुख्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई कई नेताओं द्वारा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने या आधिकारिक आरजेडी उम्मीदवारों का विरोध करने की खबरें मिलने के बाद की गई। पार्टी ने कहा कि बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनता दल के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ या निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने वाले कुछ सहयोगियों द्वारा पार्टी विरोधी आचरण, गतिविधियों और जवाबी कार्रवाई के संबंध में राज्य मुख्यालय द्वारा प्राप्त आधिकारिक सूचना के आधार पर, निम्नलिखित पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं को राजद की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

अब प्रशांत किशोर के दो वोटर आईडी कार्ड मामले पर बवाल

जन सुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उनको मतदाता पहचान पत्र को लेकर बवाल हो गया है. कहा जा रहा है कि प्रशांत का नाम दो राज्यों पश्चिम बंगाल और बिहार की वोटर लिस्ट में दर्ज है। अब इस मामले पर चुनाव आयोग ने अहम कदम उठाया है। पीके के वोटर आईडी कार्ड को लेकर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से जानकारी मांगी गई है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से संपर्क किया है। उनसे प्रशांत किशोर के मामले को लेकर जानकारी मांगी गई है. हालांकि अभी तक बंगाल की तरफ से जवाब नहीं आया है।

पीके ने नए वोटर आईडी कार्ड के लिए किया था आवेदन

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर ने बिहार में आने के बाद फॉर्म 6 भरकर नया वोटर आईडी कार्ड बनवाया था, जबकि फॉर्म 6 साफ तौर पर कहता है कि वही लोग भरेंगे जो पहली बार मतदाता बनेंगे। इसके साथ ही उसमें शपथ भी दी जाती है कि मेरा कोई और वोटर कार्ड नहीं है और अगर यह जानकारी गलत पाई जाती है तो 2 साल की सजा का भी प्रावधान है।

एसआईआर से पहले बंगाल में प्रशासनिक फेरबदल

» ममता सरकार ने सैकड़ों अधिकारियों का किया तबादला

» भाजपा ने चुनाव आयुक्त से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल सरकार ने राज्य में निर्वाचन सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के कार्यान्वयन के दौरान 500 से अधिक अधिकारियों के तबादले की घोषणा की। यह एक ही दिन में किया गया सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल है। इसमें 67 आइएएस और 460 राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी) अधिकारियों का तबादला किया गया। कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुसार, तबादले का नोटिफिकेशन 24 अक्टूबर को जारी कर दिया गया था। इन्हें सोमवार को एसआइआर की घोषणा के पहले और बाद में विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

दोपहर से पहले 61 आइएएस और 145 राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी) अधिकारियों के तबादले के नोटिफिकेशन अपलोड किए गए।चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता के तुरंत बाद दूसरा सेट उपलब्ध कराया गया। इसमें छह आइएएस और 315 राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी) अधिकारियों की पोस्टिंग की जानकारी थी। इस फेरबदल में 14 जिला मजिस्ट्रेट, कई विशेष सचिव, ओएसडी और आइएएस तथा राज्य सिविल सेवाओं के कई एडीएम व एसडीओ शामिल हैं। विपक्षी भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त से इसकी शिकायत की। भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त की मंजूरी के बिना किए गए असामान्य तबादलों को तुरंत रद्द करने की मांग की। भाजपा ने आरोप लगाया कि ये तबादले ममता बनर्जी सरकार द्वारा आगामी एसआइआर को बाधित करने का प्रयास हैं, जबकि सत्तारूढ़ टीएमसी ने इसे केवल एक रूटीन प्रक्रिया बताया।

चक्रवात का असर: लखनऊ में देर रात से बारिश, पारा गिरा

» कांपे लोग, भारी बरसात की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अक्तूबर का आखिरी हफ्ता मौसमी उतार-चढ़ाव और चक्रवात मोंथा के असर में गुजरने वाला है। मौसम विभाग का कहना है कि अरब सागर से आ रही नमी और बंगाल की खाड़ी में बन रहे वेदर सिस्टम के चलते बादलों की सक्रियता बढ़ी है। इसके असर से अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिलेगी। इधर लखनऊ सहित कई जिलों में देर रात से बारिश हो रही है।

प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादलों की आवाजाही, पारे में गिरावट और बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर आदि में बूंदाबांदी देखने को मिली। सोमवार शाम तक बांदा में सर्वाधिक 14.6 मिमी और ललितपुर में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम को देखते हुए किसानों ने धान फसल की कटाई जोर-शोर से शुरू कर दी है। किसानों को डर है कि खेत में तैयार खड़ी धान की फसल पर पानी पड़ा तो नुकसान होगा।

29 से 31 तक दिखेगा चक्रवात मोंथा का असर

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना गहन अवदाब तेजी से प्रबल होकर गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा में बदल रहा है। उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए यह आंध्र प्रदेश तट के काकीनाडा के आसपास 28 अक्टूबर की शाम या रात के समय प्रचंड चक्रवाती तूफान के रूप में पहुंच सकता है। मोंथा चक्रवात का सबसे ज्यादा असर यूपी और बिहार में दिखेगा। 29 से 31 अक्तूबर के बीच बिहार से सटे पूर्वांचल के कई जिलों और बुंदेलखंड आदि में गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। 30 अक्तूबर को वाराणसी आदि में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

जयपुर में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई मजदूरों से भरी बस, दो की मौत

» फिर एक बस हादसे का शिकार : 10 से ज्यादा झुलसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में बड़ा हादसा सामने आया है। जहां मजदूरों को लेकर जा रही एक बस हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आ गई। इसमें 10 से ज्यादा मजदूर झुलस गए और दो की मौत हो गई। जयपुर ग्रामीण के मनोहरपुर इलाके की यह घटना है, जहां मजदूरों से भरी बस में करंट दौड़ गया। हाईटेंशन लाइन को छूने से बस में आग लग गई. हादसे में बस में सवार 10 मजदूर चपेट में आ गए।

घायल श्रमिकों को गंभीर हालत में शाहपुरा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर हालत में 5 यात्रियों को जयपुर रेफर किया गया है। टोडी स्थित ईट भट्टे पर मजदूरों को लेकर ये बस आ रही थी। सूचना के बाद मौके पर मनोहरपुर थाना पुलिस पहुंची और बचाव कार्य शुरू कराया। जानकारी के मुताबिक, मजदूरों से भरी बस यूपी से मनोहरपुर के टोडी स्थित ईंट भट्टे पर आई थी. रास्ते में बस ऊपरी इलाके से गुजर रही थी और तभी 11 हजार वोल्ट की लाइन के संपर्क में आ गई. इससे बस में करंट फैल गया और स्पार्किंग से आग लग गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा तफरी का माहौल हो गया। इससे पहले जैसलमेर में बड़ा बस हादसा हुआ था, जहां जोधपुर जा रही प्राइवेट बस में आग लग गई थी और 21 लोगों की मौत हो गई थी। उस बस को मोडिफाइड कराया गया था. उसके लिए इस्तेमाल फाइबर बेहद ज्वलनशील था। इस कारण उसने तेजी से आग पकड़ ली. उस बस का मेन डोर भी लॉक हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला पुलिस सीधे दर्ज कर सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 195 ए के तहत गवाह को धमकाने का अपराध संज्ञेय है, जिसके तहत पुलिस बिना अदालत की औपचारिक शिकायत की प्रतीक्षा किए सीधे एफआईआर दर्ज कर सकती है और जांच शुरू कर सकती है।

जस्टिस संजय कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने केरल उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि धारा 195 ए के तहत गवाह को धमकाने के अपराध के लिए पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती और ऐसे अपराधों की सुनवाई केवल संबंधित अदालत द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 195 और 340 के तहत लिखित शिकायत के माध्यम से ही की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 28 अक्टूबर को दिए फैसले में हाई कोर्ट के इस नजरिये से असहमति जताते हुए कहा कि धारा 195 ए आईपीसी को जानबूझकर एक अलग और विशिष्ट अपराध के रूप में तैयार किया गया है, जिसका प्रक्रिया और रास्ताअलग है। यह अपराध संज्ञेय श्रेणी में आता है, और इसलिए पुलिस को सीधे गवाह के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है।

संघ की गतिविधियों पर कर्नाटक सरकार के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल इस आदेश के तहत कर्नाटक सरकार ने निजी संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को संघ की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि अब कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ पुनशचैतन्य सेवा समस्थे नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने राज्य सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 17 नवंबर तक टाल दी है। याचिका दायर करने वाले संगठन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अशोक हरनहल्ली ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार का आदेश संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। वकील ने कहा कि सरकार का आदेश है कि 10 से ज्यादा लोगों को भी इकट्ठा होने के लिए सरकार की मंजरी लेनी होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।